दिनाँक **7 सितंबर 2022** को दयानन्द सुभाष नेशनल (पीजी) कॉलेज, उन्नाव में **विज्ञान संकाय** के नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के पाठ्यक्रम से अवगत कराने के लिए **Student orientation programme** का आयोजन किया गया ।

आज के कार्यक्रम में महाविद्यालय के विज्ञान संकाय और वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों को आमन्त्रित किया गया था।

कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ . आकांक्षा श्रीवास्तव, रसायन विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम के उद्दे श्यों पर विस्तृत चर्चा की एवं सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

सर्वप्रथम डॉ. राजेश श्रीवास्तव,अध्यक्ष वाणिज्य विभाग ने NEP: 2020 से परिचय कराते हुए बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति :2020 में छात्र- छात्राओं को समग्र एवं बहुविषयक शिक्षा प्रदान करने का प्रावधान रखा गया है ताकि छात्र- छात्राओं का सम्पूर्ण एवं समग्र विकास हो सके। आगे आपने बताया कि प्रथम सेमेस्टर में विद्यार्थियों को मुख्य विषय (Mejar Sub) के रूप में तीन विषय व गौण विषय (Miner Sub) के रूप में एक विषय तथा साथ में ए क रोजगार पाठ्यक्रम (Vocational course) एवं एक सह पाठ्यक्रम(Co - curriculum) का चयन करना होगा और आपने छात्रों को ग्रेडिंग प्रणाली से भी अवगत कराया एवं वाणिज्य विभाग से सम्बंधित प्रश्न पत्रों की विस्तृत जानकारी दी।

इसी क्रम में डॉक्टर प्रदीप गुप्ता , एसोसिएट प्रोफेसर भौतिक विज्ञान विभाग ने बताया कि प्रथम व द्वितीय सेमेस्टर पूर्ण करने के उपरांत आपको सर्टिफिकेट (Certificate) प्रदान किया जाएगा तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर को पूर्ण करने के उपरांत आपको डिप्लोमा (Diploma) दिया जाएगा इसी प्रकार पंचम और छठा सेमेस्टर पूर्ण करने के उपरांत आपको स्नातक स्तर की डिग्री (Degree) प्रदान की जाएगी और आपने छात्र-छात्राओं को ABACUS PORTAL से भी अवगत कराया।

आगे डॉ. पवन श्रीवास्तव ,अध्यक्ष भौतिक विज्ञान विभाग ने विभागीय शिक्षकों से परिचय कराया और आपने भौतिक विज्ञान के सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा की जानकारी साझा की।

इसी क्रम में डॉ. विनय यादव,अध्यक्ष गणित विभाग ने छात्रों की उपस्थिती की अनिवार्यता एवं गणित विषय के प्रयोगात्मक परीक्षा से सम्बंधित कुछ परेशानियों से अवगत कराया तथा आपने बताया कि गणित विषय के पूर्णांक 200 में 125 अंक आंतरिक मूल्यांकन का है और सिर्फ 75 अंक की परीक्षा होगी।

इसी क्रम में आगे डॉ रंजीत सिंह , अध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग डॉ अलका मिश्रा ,असिस्टेंट प्रोफेसर जंतु विज्ञान विभाग एवं डॉक्टर चंचल प्रेमी, असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग ने अपने विषय से

संबंधित सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक परीक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी । इसी क्रम में आगे डॉ पंकज सिंह ,अध्यक्ष पुस्तकालय विज्ञान विभाग ने पुस्तकालय के बारे में बताया कि आपको संबंधित विषय के साथ-साथ प्रतियोगिता परीक्षा से संबंधित पत्रिका एवं शिक्षकों के लिए जर्नल पुस्तकालय में उपलब्ध है। आगे डॉ एम एल यादव , असिस्टेंट प्रोफेसर वाणिज्य विभाग ने रोजगार पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रम से सम्बंधित शिक्षकों से अवगत कराया ।

डॉ सुनीता ,अध्यक्ष जंतु विज्ञान विभाग ने सह पाठयक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी और बताया कि प्रथम सेमेस्टर में फूड एंड न्यूट्रिशन (Food & Nutrition)का पाठ्यक्रम होगा और यह पाठ्यक्रम केवल क्वालीफाइंग होता है। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए महाविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता (D.S.W) डॉ. हरिशंकर यादव ने छात्रवृत्ति एवं कन्या सुमंगला योजना की विस्तृत जानकारी दी।

महाविद्यालय के मुख्य कुलानुशासक डॉ . हेमेंद्र सिंह सेंगर ने कॉलेज में अनुशासन एवं सुशासन की व्यवस्था पर जानकारी दी और विद्यार्थियों को मुखर होकर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया साथ ही कक्षाओं में उपस्थिति पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शुक्ल ने छात्र छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए बताया कि अकादमिक जगत में दयानंद सुभाष नेशनल महाविद्यालय उन्नाव जनपद का एक श्रेष्ठ महाविद्यालय है और आपने व्यवसायिक पाठ्यक्रम ,सह पाठ्यक्रम तथा सभी विषय अपने आप में श्रेष्ठ हैं की जानकारी दी और अपनी बात को समाप्त करते हुए बशीर बद्र का एक शेर पढ़ा

कहीं धूप है कहीं बदलियां

दिलों जा से दोनों कबूल है

मुझे उस नगर में न कैद कर

जहां जिंदगी की हवा ना हो

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव , असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उत्कर्ष सक्सेना ,असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

दिनाँक 08 सितम्बर 2022 को दयानन्द सुभाष नेशनल (पी.जी.) कॉलेज, उन्नाव में शिक्षक पर्व के चौथे दिन शैक्षिक फ़िल्म प्रसारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. उमेश बाजपेयी, अध्यक्ष अर्थशास्त्र विभाग के मार्गदर्शन में दो शैक्षिक एवं अभिप्रेरणात्मक लघु फ़िल्मों का प्रसारण किया गया।

इस अवसर पर डॉ . बाजपेयी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को जो विषय मुश्किल और नीरस लगते हैं वही विषय शैक्षिक फिल्मों के माध्यम से आसानी से समझ में आ जाते हैं। सामाजिक विषय से सम्बंधित फिल्में युवा वर्ग में देशभक्ति ,राष्ट्रीय एकता और मानव मूल्यों का प्रसार करती हैं। ऐसी फिल्में शैक्षिक असमानता , जातिप्रथा, दहेजप्रथा जैसी कुरीतियों को दूर करने की प्रेरणा देती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य प्रो .आनन्द शुक्ल ने कहा कि शैक्षिक फ़िल्में शिक्षण के लिए अत्यंत सहायक होती हैं। विश्व के सभी देशों में वहाँ की सभ्यता एवं भाषा के आधार पर फिल्मों का निर्माण होता है जिनका लक्ष्य राजनीतिक ,सामाजिक एवं शैक्षणिक होता है। सामाजिक मुद्दों के बारे में विद्यार्थियों को सूचि त करने और जनजागरूकता को बढ़ाने के लिए शैक्षिक फिल्मों का उपयोग किया जाता रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम की संयोजिका डॉ ममता चतुर्वेदी , सह-संयोजक डॉ. सुदर्शन सिंह सहित महाविद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

उक्त कार्यक्रम के उपरांत दिनाँक **8 सितंबर 2022** को दयानन्द सुभाष नेशनल (पीजी) कॉलेज, उन्नाव में **कला संकाय** के नव प्रवेशी छात्र-छात्राओं के स्वागत एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के पाठ्यक्रम से अवगत कराने के लिए **Student orientation programme** का आयोजन किया गया ।

आज के कार्यक्रम में महाविद्यालय के भाषा एवं मानविकी संकाय के विद्यार्थियों को आमन्त्रित किया गया था।

कार्यक्रम के आरम्भ में डॉ . आकांक्षा श्रीवास्तव, रसायन विज्ञान विभाग ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तृत चर्चा की एवं सभागार में उपस्थित सभी शिक्षकों व छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

सर्वप्रथम डॉ सतीश सिंह ,अध्यक्ष इतिहास विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति : 2020 के उद्देश्यों एवं प्रथम सेमेस्टर से सम्बंधित पाठक्रम पर विस्तृत चर्चा की। ततपश्चात डॉ अंजना शुक्ला , असिस्टेंट प्रोफेसर भूगोल विभाग ने भूगोल विषय की जानकारी दी। आगे डॉ बी. एन. गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर अंग्रेजी विभाग ने भाषा संकाय से संबंधित आन्तरिक एवं बाह्य मूल्यांकन की पूर्ण जानकारी दी।डॉ. रचना त्रिवेदी ,अध्यक्ष शिक्षा शास्त्र विभाग व प्रभारी NSS ने शिक्षाशास्त्र एवं NSS से छात्रों को अवगत कराया। डॉ

शुभा द्विवेदी ,असिस्टेंट प्रोफेसर राजनीति विज्ञान विभाग ने अपने विषय से सम्बन्धित जानकारी साझा की । डॉ सुदर्शन सिंह ,असिस्टेंट प्रोफेसर शिक्षाशास्त्र व प्रभारी सांस्कृतिक समिति ने सांस्कृतिक गतिविधियों यथा लेखन ,गायन,चित्रकला आदि के विषय में बताते हुए महाविद्यालय में प्रवेश हेतु स्वलिखित प्रेरणात्मक कविता भी पढ़ी। इसी क्रम में डॉ राकेश कुमार चौरसिया ,असिस्टेंट प्रोफेसर हिन्दी विभाग ने MINOR विषय एवं CO-CURRICULAR विषय के बारे में छात्र- छात्राओं को अवगत कराया। आगे डॉ एम.एल .यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर वाणिज्य विभाग ने रोजगार पाठ्यक्रम (Vocational courses) एवं पाठ्यक्रम से सम्बंधित शिक्षकों से परिचय कराया ।

महाविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता (D.S.W) डॉ. हरिशंकर यादव ने छात्रवृत्ति एवं कन्या सुमंगला योजना की विस्तृत जानकारी दी। डॉ पंकज सिंह , अध्यक्ष पुस्तकालय विज्ञान विभाग ने बताया कि प्रथम सेमेस्टर हेतु सभी छात्र - छात्राओं के लिए पुस्तकें उपलब्ध है और लगभग 70% विद्यार्थियों को पुस्तकें दी जा चुकी हैं।

महाविद्यालय के कुलानुशासक डॉ. हेमेंद्र सिंह सेंगर ने कॉलेज में अनुशासन एवं सुशासन की व्यवस्था पर जानकारी दी और विद्यार्थियों को मुखर होकर शिकायत करने के लिए प्रेरित किया साथ ही कक्षाओं में उपस्थिति पर जोर दिया।

कार्यक्रम के अंत में कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रोफेसर आनन्द शुक्ल ने नव प्रवेशी छात्र -छात्राओं का स्वागत किया और आपने महाविद्यालय की स्थापना का इतिहास बताते हुए बताया कि यह महाविद्यालय राष्ट्रीयता की देन है और आपने कक्षाओं में विद्यार्थियों को आने हेतु प्रेरित किया तथा आपने बताया कि वर्चुअल माध्यम कक्षाओं का स्थान नहीं ले सकते एवं महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका अनामिका से भी अवगत कराया ।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ आकांक्षा श्रीवास्तव , असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. उत्कर्ष सक्सेना ,असिस्टेंट प्रोफेसर रसायन विज्ञान विभाग ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

D. S. N. PG COLLEGE, UNNAO
Students Orientation Programme
Date: 7-8 September 2022
Sri Manvendra Swaroop
Secretary
Prof. Anand Shukla
Principal
:: Organizing Committee ::
Dr. Akanksha Srivastava (Programme Coordinator)
Dr. Utkarsh Saxena, Dr. Sudarshan Singh, Dr. Rakesh Chaurasia, Dr. M.L. Yadav

शिक्षक पर्व(05-09 सितम्बर 2022)

शैक्षिक फिल्म प्रसारण कार्यक्रम

उन्नाव